



भारत का राजपत्र The Gazette of India

असाधारण

EXTRAORDINARY

भाग II—खण्ड 3—उप-खण्ड (i)

PART II—Section 3—Sub-section (i)

प्राधिकार से प्रकाशित

PUBLISHED BY AUTHORITY

सं. 335]

नई दिल्ली, बुधस्वतिवार, जून 23, 2011/आषाढ़ 2, 1933

No. 335]

NEW DELHI, THURSDAY, JUNE 23, 2011/ASADHA 2, 1933

वित्त मंत्रालय

(राजस्व विभाग)

अग्रिम विनिर्णय प्राधिकरण

(केन्द्रीय उत्पाद शुल्क, सीमा-शुल्क और सेवा कर)

अधिसूचना

नई दिल्ली, 22 जून, 2011

सं. 1/2011-ए ए आर

सा.का.नि. 475(अ).—अग्रिम विनिर्णय प्राधिकरण (केन्द्रीय उत्पाद शुल्क, सीमा-शुल्क और सेवा कर), सीमा-शुल्क अधिनियम, 1962 (1962 का 52) की धारा 28ड, केन्द्रीय उत्पाद शुल्क अधिनियम, 1944 (1944 का 1) की धारा 23ज और वित्त अधिनियम, 1994 (1994 का 32) की धारा 96ज द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, अग्रिम विनिर्णय प्राधिकरण (केन्द्रीय उत्पाद शुल्क, सीमा-शुल्क और सेवा कर) प्रक्रिया विनियम, 2005 का संशोधन करने के लिए निम्नलिखित विनियम बनाता है, अर्थात् :—

1. (1) इन विनियमों का संक्षिप्त नाम अग्रिम विनिर्णय प्राधिकरण (केन्द्रीय उत्पाद शुल्क, सीमा-शुल्क और सेवा कर) प्रक्रिया संशोधन विनियम, 2011 है।

(2) ये राजपत्र में प्रकाशन की तारीख को प्रवृत्त होंगे।

2. अग्रिम विनिर्णय प्राधिकरण (केन्द्रीय उत्पाद शुल्क, सीमा-शुल्क और सेवा कर) प्रक्रिया विनियम, 2005 के विनियम 2 के खंड (ट) के स्थान पर निम्नलिखित खंड रखा जाएगा, अर्थात् :—

“(ट) ‘सचिव’ से प्राधिकरण द्वारा सचिव के रूप में पदाभिहित सीमा-शुल्क आयुक्त या केन्द्रीय उत्पाद शुल्क आयुक्त अभिप्रेत है और इसके अन्तर्गत इस प्रकार पदाभिहित सीमा-शुल्क का या केन्द्रीय उत्पाद शुल्क का अपर आयुक्त या संयुक्त आयुक्त भी है :

परन्तु सीमा-शुल्क आयुक्त या केन्द्रीय उत्पाद शुल्क आयुक्त की रैंक के अधिकारी के पद की मंजूरी की कमी या अन्यथा के मद्दे इस प्रकार पदाभिहित न किए जाने की दशा में आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 245 ग के अधीन गठित अग्रिम विनिर्णय प्राधिकरण का सचिव प्राधिकरण द्वारा इस प्रकार पदाभिहित हो सकेगा।”।

[फा. सं. 16/02/2002-पीटी-III]

आर. के. मीना, अपर आयुक्त

टिप्पण :—मूल विनियम, भारत के राजपत्र, असाधारण, भाग II, खंड 3, उप-खंड (i) में अधिसूचना सं. सा.का.नि. 12(अ), तारीख 7 जनवरी, 2005 द्वारा प्रकाशित किए गए थे और अंतिम संशोधन सा.का.नि. 486(अ), तारीख 16 जुलाई, 2007 द्वारा किया गया।

MINISTRY OF FINANCE
(Department of Revenue)
Authority for Advance Rulings
(Central Excise, Customs and Service Tax)

NOTIFICATION

New Delhi, the 22nd June, 2011

No. 1/2011-AAR

G.S.R. 475(E).—In exercise of the powers conferred by Section 28M of the Customs Act, 1962 (52 of 1962), Section 23H of the Central Excise Act, 1944 (1 of 1944) and Section 96H of the Finance Act, 1994 (32 of 1994), the Authority for Advance Rulings (Central Excise, Customs and Service Tax) hereby makes the following amendment in the Authority for Advance Rulings (Central Excise, Customs and Service Tax) Procedure Regulations, 2005, namely :—

1. (1) These regulations may be called the Authority for Advance Rulings (Central Excise, Customs and Service Tax) Procedure Amendment Regulations, 2011.

(2) They shall come into force on the date of their publication in the Official Gazette.

2. In the Authority for Advance Rulings (Central Excise, Customs and Service Tax) Procedure Regulations, 2005, in regulation 2, for clause (k), the following clause shall be substituted, namely :—

“(k) ‘Secretary’ means a Commissioner of Customs or Commissioner of Central Excise designated as Secretary by the Authority and includes an Additional Commissioner or a Joint Commissioner of Customs or of Central Excise, so designated :

Provided that in case no officer of the rank of Commissioner of Customs or the Commissioner of Central Excise has been so designated, on account of lack of sanction of post or otherwise, the Secretary of the Authority for Advance Rulings constituted under Section 245-O of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) may be so designated by the Authority.”.

[F.No.16/02/2002-Pt.-III]

R. K. MEENA, Addl. Commissioner

Note :—The principal regulations were published in the Gazette of India, Extraordinary, Part II, Section 3, Sub-section (i) vide number G.S.R. 12 (E), dated the 7th January, 2005 and last amended by number G.S.R. 486(E), dated the 16th July, 2007.